तापमान
अधिकतम 38 .0 डिग्री
न्यूनतम 25 .2 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार, 28 जुलाई, 2025

11 मैक्स हाइट सोसाइटी में पदाधिकारियों पर झगड़ा

12 जनता टीवी ने हरियाली तीज पर कार्यक्रम आयोजित किया

खबर संक्षेप

तीज पर लगाया शिविर 50 ने किया रक्तदान

सोनीपत। मां भारती जनसेवा चैरिटेबल ट्रस्ट व भगत सिंह युवा संघ की ओर से हरियाली तीज पर गांव मलिकपुर के राजकीय विद्यालय में रक्तदान शिविर लगाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में एमएसएमई के चेयरमैन संदीप पाराशर ने रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया। शिविर में नागरिक अस्पताल की रक्तकोष टीम के सहयोग से 50 लोगों ने रक्तदान किया। मां भारती जनसेवा चैरिटेबल ट्रस्ट की सदस्य ममता सरोहा ने अपने जन्मदिन पर जामुन का पौध रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान ट्रस्ट के संस्थापक प्रेम गौतम, मोहित, सरपंच विक्की, संदीप शर्मा, राकेश मास्टर, अंकित त्यागी, सोमप्रकाश, सोहनलाल, रणबीर, अनिल मौजूद रहे।

अवैध हथियार सहित आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। क्राइम यूनिट पश्चिम ने युवक को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित राहुल उर्फ ताऊ निवासी गांव तेवड़ी हाल में दहिया कॉलोनी का है। आरोपित को अदालत से न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। सहायक उप निरीक्षक राजेश ने बताया कि उनकी टीम गश्त के दौरान टी-प्वाइंट सेक्टर-23 आउटर के पास मौजूद थी। उसी दौरान टीम ने छापेमारी करके युवक को काबू कर लिया। उसे रोककर उसके पास से तलाशी के दौरान एक देशी पिस्तौल व जेब से जिंदा राउंड बरामद किया।

शिलापट्ट तैयार करते समय कारीगर घायल

सोनीपत। शहर के पंचायत भवन में प्रशासनिक कार्यक्रम के लिए शिलापट्ट तैयार करते समय कारीगर घायल हो गया। साथ कर्मचारी उसे लेकर नागरिक अस्पताल में पहुंचे। जहां चिकित्सक ने उसे खानपुर रेफर कर दिया। यूपी हाल में शहर निवासी इमरोज मेहनत-मजदूरी का काम करता है। वह हाल में राई विधानसभा में होने वाले प्रशासनिक काम को लेकर गोहाना रोड पर स्थित पंचायत भवन परिसर में शिलापट्ट तैयार कर रहा था। कार्य करते समय अचानक शिलापट्ट के नीचे दब गया।

मोहनदास धाम में हुआ कीर्तन, झूमे श्रद्धालु

सोनीपत। लहराड़ा स्थित दादा मोहनदास धाम में कीर्तन का आयोजन किया गया। जिसमें जगमति एवं महिलाओं ने मिलकर भगवान के भजनों का गुणगान किया। सुनील बैरागी ने बताया कि बाबा महंत विजयनाथ महाराज के निर्देशों के अनुसार हर रविवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक धाम में चौकी और संकीर्तन का आयोजन किया जा रहा है।

जानलेवा हमला करने का आरोपित गिरफ्तार

गोहाना। थाना बरोदा की पुलिस ने हरियाणवी सिंगर पर हमला करने के आरोपित गांव बरोदा के संदीप को गिरफ्तार कर लिया। न्यायालय के आदेश पर आरोपित को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। गायक बरोदा के अमित उर्फ मीता ने 24 जुलाई को पुलिस को शिकायत दी थी कि वह अपने चचेरे भाइयों के साथ गांव के पास निर्माणाधीन फार्म हाउस पर काम कर रहा था। उसी समय मंजीत पास आया था और विधानसभा चुनाव की रंजिश में गाली देने लगा और फायरिंग कर दी। पुलिस ने सहयोगी संदीप को पकड़ा है।

सीईटी : शांतिपूर्वक तरीके से पूर्ण हुई परीक्षा, दो दिनों में कुल 53 हजार 4 सौ 67 परीक्षार्थी, 91.98 प्रतिशत रही हाजिरी

दूसरे दिन 26 हजार 8 सौ 32 ने दी परीक्षा, 2340 परीक्षार्थी अनुपस्थित

प्रशासन की तैयारी को सभी ने सराहा, सतर्कता और सुविधा दोनों देखकर छात्र और अभिभावक गदगद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) रविवार को दूसरे दिन भी शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न हुई। कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह और दोपहर के दो सत्रों में कुल 91.98 प्रतिशत परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। जिले में बनाए गए 58 परीक्षा केंद्रों पर रविवार को दोनों शिफ्टों में 26832 ने दी परीक्षा जबकि 2340 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। अगर इसमें शनिवार का आंकड़ा भी जोड़ दिया जाए तो दो दिनों में कुल 53 हजार 467 परीक्षार्थियों ने सोनीपत जिले में परीक्षा दी, वहीं 4 हजार 877 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। सभी केंद्रों पर कड़ी निगरानी की गई। जिसकी वजह से कोई अभ्यर्थी परीक्षा केंद्रों पर नकल की सामग्री ले जाने में सफल नहीं हुआ। उपायुक्त डा. सुशील सारवान एवं सभी एसडीएम भी सक्रिय रहे। उनके साथ नियुक्त किए गए ड्यूटी मैजिस्ट्रेट ने लगातार परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर हर पहलू पर नजर बनाए रखी। जिले में आयोजित सीईटी के दूसरे दिन पहले सत्र में 91.88 फीसदी परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। 14 हजार 586 परीक्षार्थियों में से 13 हजार 401 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी और 1185 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार दूसरे सत्र में 91.08 प्रतिशत परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। दूसरे सत्र में 14586 परीक्षार्थियों में से 13431 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी और 1155 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। दूसरे दिन 91.98 फीसदी ने परीक्षा दी।

जिम्मेदारी

इंस्पेक्टरों की थी ड्यूटी करवाए हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और कोई भी बस चालक मनमानी न कर सके, इसके लिए सभी प्वाइंट पर इंस्पेक्टरों की ड्यूटी लगाई गई थी। सभी शटल बस के चालक को निर्देश दिए गए थे कि वे बस में बैठने वाले परीक्षार्थियों से प्रफोर्मा पर हस्ताक्षर करवाएं और उसकी रिपोर्ट प्वाइंट पर ड्यूटी दे रहे इंस्पेक्टर को दें, ताकि परीक्षा केंद्र पर गए भी परीक्षार्थियों को परीक्षा के बाद वापस उनके गंतव्य तक पहुंचाया जा सके। पहले दिन परीक्षार्थियों के सामने आई ऐसी परेशानी को देखते हुए यह कदम उठाया।

सोनीपत। परीक्षा से संबंधित समाचार जमा करवाते हुए स्टाफ साथ में अधिकारीगण।

किस शिफ्ट में कितने परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा

सत्र	कुल परीक्षार्थी	उपस्थिति	अनुपस्थित	प्रतिशत
प्रातःकालीन	14586	13401	1185	91.88
सायंकालीन	14586	13431	1155	92.08
कुल	29172	26832	2340	91.98

असर

परीक्षा के चलते लोकल रूट रहे बाधित

रोडवेज बसों को सीईटी के लिए रवाना करने से विभिन्न रूटों पर बसों की किल्लत बनी रही। जिससे यात्रियों को परेशानी हुई। हालांकि अवकाश होने के चलते अधिकतर रूटों पर यात्रियों की संख्या बेहद कम रही। दोपहर के समय सहकारी समितियों की बसों को व्यस्त रूटों पर रवाना किया गया। हालांकि बस अड्डे पर पहुंचे यात्रियों को बस के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। परीक्षा को लेकर रोडवेज की लगभग सभी बसें लगाई गई थी, इसलिए ग्रामीण रूट पर यात्रियों को थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा।

हुई तीन चरणों में जांच

प्रथम जांच में मुख्य द्वार पर तैनात पुलिसकर्मियों ने अभ्यर्थियों की लाइन लगवाकर बारिकी से जांच की। गेट पर महिला अभ्यर्थियों से आभूषण (नाक का कोका, टॉप्स, अंगूठी, चूड़ियां, गले का हार), पुरुषों से हाथ या गले में बंधे धागे उतरवा दिए गए। अधिकतर केंद्रों पर पुरुषों के जूते उतरवाकर भी तलाशी ली गई। प्रत्येक केंद्र के बाहर 10 से 15 पुलिस कर्मी तैनात रहे। दूसरे चरण की जांच में गेट के बाद अभ्यर्थियों की मेटल डिटेक्टर से जांच की गई। तीसरे चरण में हेल्प डेस्क स्थापित कर अभ्यर्थियों के अंगूठे का निशान व प्रवेश पत्र की जांच कर फोटो का मिलान किया गया। इससे पहले अभ्यर्थी करीब एक घंटा पहले ही परीक्षा केंद्रों के बाहर जमा होने लगे। लाइन में लगे अभ्यर्थियों की एक-एक कर जांच के बाद केंद्र में प्रवेश मिला।

सुबह 3 बजे शुरू की थी बसें भेजना

सीईटी देने गुरुग्राम और कुरुक्षेत्र जाने वाले सोनीपत के परीक्षार्थियों के लिए रविवार को भी तड़के तीन बजे ही बस अड्डे से बसों को भेजना शुरू कर दिया था। सोनीपत व गोहाना बस अड्डे से गुरुग्राम व कुरुक्षेत्र के लिए दोनों शिफ्टों में करीब 400 बसें भेजी गई। वहीं दूसरे जिले से आने वाले परीक्षार्थियों को उनके परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने के लिए 220 शटल बसों को रवाना किया गया।

अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर जांची सुविधा

सीईटी की परीक्षा के सुबह-शाम के दोनों चरणों में प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा ड्यूटी मजिस्ट्रेट परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते रहे। परीक्षा को लेकर जहां सुरक्षा व्यवस्था के पूर्ण प्रबंध रहे, वहीं बाहर से आए अभ्यर्थियों की जांच में भी कोई कोताही नहीं बरती गई। केंद्र में प्रवेश से पहले सभी अभ्यर्थियों को तीन चरणों से जांच के बाद अंदर प्रवेश दिया गया। अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर बारीकि से निरीक्षण किया और परीक्षार्थियों की सुविधा के बारे में भी जानकारी ली। केंद्रों पर तैनात कर्मचारियों को निर्देश दिए गए कि किसी भी छात्र या छात्रा को मदद की जरूरत हो तो तुरंत प्रभाव से उसकी सहायता की जाए। जरूरत पड़े तो प्रशासनिक अधिकारियों को भी अवगत करवाया जाए, लेकिन छात्रों को परेशानी नहीं होने दी जाए।

सभी विभाग और संगठन बधाई के पात्र

सभी प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस कर्मचारी, सामाजिक संगठन और परिवहन विभाग की टीम बधाई की पात्र है। सभी के बेहतर तालमेल से परीक्षा व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुई है। यहां से जाने वाले और दूसरे जिलों से आने वाले परीक्षार्थियों को बेहतर सुविधाएं मुहैया करवाई गई हैं। *-सुशील सारवान, उपायुक्त, सोनीपत।*

अनिल विहार कॉलोनी से पांच भाई-बहन लापता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सिविल लाइन थाना क्षेत्र की अनिल विहार कॉलोनी से एक ही परिवार के पांच बच्चे संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए हैं। बच्चों के पिता की शिकायत पर पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने दो विशेष टीमें गठित कर बच्चों की तलाश शुरू कर दी है और शहर के प्रमुख स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही हैं। ताकि बच्चों का कोई सुराग हाथ लग सके।

मूल रूप से बिहार निवासी राजीव कुमार अपने परिवार के साथ अनिल विहार कॉलोनी में रहता है। वह राजमिस्त्री का काम करता है। राजीव ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि उसके पांच बच्चे दो लड़के और तीन लड़कियां गत 19 जुलाई की शाम को घर से निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। राजीव और परिवार ने बच्चों की काफी तलाश की, लेकिन जब कोई सुराग नहीं मिला। बच्चों के पिता ने बताया कि उसकी बड़ी बेटी की आयु 13 वर्ष, 11 वर्ष व बेटों की आयु 10,6 व तीन वर्ष है।प्राथमिक जांच में अभी तक अपहरण या खुद से घर छोड़ने के कारणों की पुष्टि नहीं हो सकी है। पुलिस रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और अन्य संभावित स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से सुराग जुटाने में लगी है।

दो टीम बनाई

बच्चों की तलाश के लिए दो टीमों का गठन किया गया है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है और जल्द ही बच्चों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। दो टीमों का गठन किया है। जल्द से जल्द बच्चों की तलाश कर आगामी कार्रवाही अमल में लाई जाएगी।

-एसआई शिवमुनि, जांच अधिकारी।

निजी स्कूल में चोरी करने घुसा युवक, कर्मचारियों ने पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

कुंडली थाना क्षेत्र स्थित निजी स्कूल में चोरी करने घुसे युवक को स्कूल कर्मचारियों ने पकड़ लिया। उसके पीटकर घायल करने का आरोप है। घायल अवस्था में उसे उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में लाया गया। जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी मिल गई। जानकारी मिली है कि वह नशे का आदि है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

मिली सूचना के अनुसार कुंडली क्षेत्र स्थित नव चेतना स्कूल में चोरी की नीयत से युवक दीवार फांदकर घुस गया। जिसे स्टाफ कर्मचारियों ने पकड़कर मारपीट कर घायल कर दिया। युवक नशे का आदि बताया जा रहा है। घायल को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी मिल गई। थाना से अस्पताल में पहुंचे जांच अधिकारी मनीष ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। आरोपित चोरी की नीयत से स्कूल में घुसा था। जो दीवार से गिरकर घायल हो गया। चिकित्सक ने उसे उपचार के बाद छुट्टी दी है। शिकायत मिलने पर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

सोनीपत। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद लेकर जाते हुए पुलिस कर्मी।

उमस भरी गर्मी से बेहाल, आज से बारिश के आसार, फसलों को भी होगा फायदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

लंबे समय से उमस और तेज धूप का सामना कर रहे सोनीपत वासियों के लिए राहत भरी खबर है। मौसम विभाग के अनुसार 28 जुलाई की रात से 31 जुलाई तक जिले में बारिश की संभावना बन रही है। इसका कारण पर्वतीय क्षेत्रों में सक्रिय हुआ नया पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव क्षेत्र बताया गया है। मौसम में यह बदलाव न केवल तापमान में गिरावट लाएगा, बल्कि खरीफ की फसलों को भी जीवनदायिनी संजीवनी देगा।

रविवार को सुबह हल्के बादल छाए रहे, लेकिन दोपहर तक धूप तेज हो गई। हवा की गति धीमी होने से उमस काफी बढ़ गई। दिन का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री दर्ज किया गया। केवीके सोनीपत के मौसम विज्ञानी डॉ. प्रेमदीप ने बताया कि सोमवार से हल्की बारिश और बूंदाबांदी की शुरुआत हो सकती है, जिससे तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट संभव है।

धान उत्पादकों को चिंता

जुलाई माह में सामान्य से कम वर्षा होने के कारण धान उत्पादक किसानों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। जिले में करीब 90 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में धान की बिजाई और रोपाई पूरी हो चुकी है, लेकिन लगातार सिंचाई की आवश्यकता के चलते किसानों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है।

मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में संभावित वर्षा न केवल उमस और गर्मी से राहत दिलाएगी, बल्कि फसलों की बढ़वार के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी।

मानसून की ट्रफ रेखा में बदलाव से उम्मीदें

अब तक मानसून की ट्रफ रेखा हरियाणा और राजस्थान के बीच बनी रही, जिससे प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में तो वर्षा हुई, लेकिन सोनीपत अब भी सावन की झड़ी का इंतजार कर रहा है। नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने और बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम के प्रभाव से दिल्ली-एनसीआर सहित सोनीपत में अच्छी वर्षा की संभावना जताई जा रही है। अगर पूर्वानुमान सटीक रहा, तो आने वाले सप्ताह में मौसम सुहावना होने के साथ-साथ कृषि क्षेत्र के लिए भी फायदेमंद रहेगा।

राठधना मंदिर मामला : रायपुर में पंचायत में 14 गांवों ने लिया फैसला

नगर निगम भंग कर पंचायत व्यवस्था करवाएंगे बहाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

राठधना गांव के ऐतिहासिक मंदिर को गिराने के लिए नगर निगम सोनीपत द्वारा भेजे गए नोटिस के विरोध में रायपुर गांव में रविवार को एक विशाल सर्वजातीय पंचायत का आयोजन हुआ। यह पंचायत ग्रामीण आस्था और आत्मसम्मान की रक्षा के संकल्प के साथ बुलाई गई थी, जिसमें रायपुर, राठधना, जाट जोशी, लिवान, लिवासपुर, देवडू, शाहपुर, गढ़ शाहजहांपुर, रेवली, फाजिलपुर, लहराडा, कालूपुर, बैयापुर सहित 14 गांवों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। पंचायत की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी चौधरी रणधीर सिंह खत्री ने की, जबकि करनी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक चौहान विशेष रूप से शामिल हुए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नगर निगम द्वारा मंदिर गिराने का प्रयास केवल भवन नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं पर प्रहार है। पंचायत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि नगर निगम को भंग कर गांवों में दोबारा पंचायती व्यवस्था को बहाल किया जाए। पंचायत में उठे स्वर बताते हैं कि ग्रामीणों का आक्रोश केवल एक मंदिर तक सीमित नहीं है। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि नगर निगम ने बिना ग्रामवासियों की सहमति के जबरन गांवों को निगम क्षेत्र में शामिल किया, पंचायती जमीनों पर कब्जा किया और विकास के नाम पर सिर्फ भ्रष्टाचार फैलाया। ग्रामीणों ने कहा कि यमुना नदी से पीने के पानी की आपूर्ति नहीं हो रही, सफाई के नाम पर अवैध वसूली हो रही है, और हर घर से 50 रुपये की पर्ची काटी जा रही है। कई गांवों में गंदगी, टूटी गलियां और जल निकासी की गंभीर समस्या है, लेकिन नगर निगम केवल टैक्स वसूली में सक्रिय है। गरीब ग्रामीणों को लाखों के टैक्स नोटिस थमाए जा रहे हैं, जिन्हें चुकाना उनके लिए असंभव है। पंचायत में जोर देकर कहा गया कि मंदिरें उन जमीनों पर बनी हैं जो ग्रामीणों के पूर्वजों ने अपने हिस्से से जनकल्याण के लिए दी थीं। अब वही जमीनें नगर निगम के अधीन कर मंदिरों को गिराने का षड्यंत्र रचा जा रहा है, जो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सोनीपत। पंचायत के दौरान मौजूद 14 गांवों के प्रतिनिधि।

केवल मंदिर बचाने का नहीं, अधिकारों का आंदोलन

पंचायत में यह भी जानकारी दी गई कि शमाबाद, लिवासपुर और रायपुर गांव के मंदिरों को भी निगम द्वारा नोटिस भेजे जा चुके हैं। यह आंदोलन अब केवल मंदिर बचाने का नहीं, बल्कि ग्रामीण स्वाभिमान और पंचायती अधिकारों की पुनर्बहाली का आंदोलन बन चुका है। जल्द ही अगली पंचायत और चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की जाएगी।

तीन समितियां बनाई

संपर्क समिति

सभी गांवों में जाकर जागरूकता अभियान चलाएगी, घर-घर जाकर ग्रामीणों को नगर निगम के खिलाफ एकजुट करेगी।

योजनाकार समिति

पंचायती व्यवस्था की पुनर्बहाली और आंदोलन की रणनीति तय करेगी।

सूचना समिति

मंदिरों की रक्षा व आंदोलन से जुड़ी हर जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाएगी। साथ ही, हर गांव में मंदिर सुरक्षा समितियों का गठन कर उनके विवरण एक रजिस्टर में दर्ज करेगी।

उधार के रुपये लेने गए दो दोस्तों पर चाकुओं से हमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सेक्टर-27 शहर थाना क्षेत्र के गांव फाजिलपुर में उधार के रुपये लेने गए दो युवकों पर चाकुओं से हमला कर घायल करने के आरोप का मामला सामने आया है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में लाया गया। जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद एक को छुट्टी दे दी। जबकि दूसरे की हालत गंभीर होने के चलते महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल खानपुर रेफर कर दिया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

गांव फाजिलपुर निवासी अजय ने बताया कि वह होटल संचालक है। करीब दो साल पहले गांव के रोहित व उसके पिता रामफल ने दो लाख रुपये उधार के लिए थे। उन्हें रुपये देने के लिए बुला लिया। जब वह अपने दोस्त रितेश के साथ गली में पहुंचा। उसी दौरान रोहित व रामफल ने गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। जेब से तेजधार चाकू निकालकर उसके दोस्त व उस पर हमला कर चाकू गोद दिए। राहगीरों ने बीच-बचाव करके उन्हें छुड़वाया। घायल अवस्था में उपचार के लिए उन्हें नागरिक अस्पताल में लाया गया। जहां चिकित्सक ने उसके दोस्त को छुट्टी दे दी। जबकि उसे महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल खानपुर रेफर कर दिया। अजय ने बताया कि आरोपितों न रुपये वापस न देने व षड्यंत्र के तहत उनपर हमला कर घायल किया है।

सोनीपत। अस्पताल में पहुंचा घायल अपनी चोट दिखाते हुए।

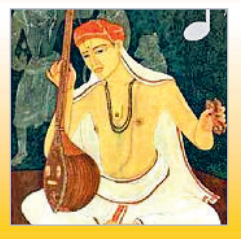

रागों के नाम पर गांव

हरियाणा में राग परंपरा, जिसे लोकगीतों के रूप में भी जाना जाता है, का एक समृद्ध इतिहास है। यहां तक कि कस्बों के नाम भी पारंपरिक रागों से लिए गए हैं। दादरी तहसील में कई बस्तियों के नाम प्रसिद्ध रागों से जुड़े हैं। इनमें नंदयम, सारंगपुर, बिलावाला, बृंदाबाना, टोडी, असावेरी, जयश्री, मलकोष्णा, हिंडोला, भैरवी और गोपी कल्याण आदि शामिल हैं। वहीं, जींद जिले में जय जय वंती, मालवी और अन्य संस्थाएं पाई जा सकती हैं।

प्रदेश की प्राचीन गायन परम्परा में शुमार हैं

डेरू, रागनी, बारहमासा और आल्हा गीत

हरियाणा के खेतों, चौपालों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में आज भी जो स्वर गूंजते हैं, वे केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता के संवाहक हैं। इन स्वरों में डेरु की गूंज है, रागनी का सवाल-जवाब है, बारहमासा की विरह-व्यथा है, और आल्हा की वीरता है।

हरियाणा की गायन परंपराएं केवल बीते समय की गाथाएं नहीं हैं, वे आज भी जीवित हैं, खेतों में, चौपालों में, और हरियाणवी दिलों में। डेरु, बारहमासा, आल्हा और रागनी, ये चार स्तंभ हमारी लोक संस्कृति के प्रहरी हैं। इन्हें संजोकर रखना केवल कलाकारों की नहीं, हर हरियाणवी की जिम्मेदारी है।

कला-संस्कृति

प्रियंका सौरभ

हरियाणा प्रदेश की माटी में केवल अनाज ही नहीं उगता बल्कि लोकगीतों की मिठास और वीरता की कहानियां भी उपजती हैं। यहां के खेतों, चौपालों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में आज भी जो स्वर गूंजते हैं, वे केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता के संवाहक हैं। इन स्वरों में डेरु की गूंज है, रागनी का सवाल-जवाब है, बारहमासा की विरह-व्यथा है, और आल्हा की वीरता है।

डेरु : हरियाणा की सबसे प्राचीन और मौलिक गायन विधा मानी जाती है डेरू। यह एक छोटा-सा वाद्य यंत्र है, जो डमरू के समान होता है, परंतु इसका उपयोग केवल ताल देने में नहीं, बल्कि पूरी गायन शैली के रूप में होता है।

डेरु गायन में कलाकार एकल प्रस्तुति देता है। यह गायन मुख्यतः वीर गाथाओं, संत-महात्माओं की कहानियों या धार्मिक प्रसंगों पर आधारित होता है। वाद्य यंत्र के रूप में केवल डेरु और कभी-कभी ढोलक का उपयोग होता है। यह गायन प्रेरणा, श्रद्धा और जनजागरण का माध्यम होता है। लोकप्रिय डेरु गायकों में 'बल्ली सिंह बल', 'कंवर पाल डेरुवाले' जैसे नाम प्रसिद्ध रहे हैं। आज भी कई गांवों में बुजुर्ग लोग डेरु के माध्यम से रामायण, महाभारत, और लोक देवताओं की कहानियां गाते हैं।

बारहमासा : बारहमासा प्रदेश के लोकसाहित्य की वह भावनात्मक धारा है, जिसमें स्त्री के मन की पीड़ा, ऋतुओं का प्रभाव और प्रेम का रस गहराई से मिलता है। 'बारहमासा' शब्द का अर्थ ही है , बारह मासों में गाया गया गीत। नायिका की विरह-व्यथा ऋतु परिवर्तन के साथ गहराती जाती है। इसमें श्रृंगार, करुण, और शांत रस की प्रधानता होती है। फागुन में प्रेम की प्यास, जेठ में तपिश, सावन में मिलन की आशा, ये भाव पूरे गीत में बहते हैं। बारहमासा गीतों में प्राकृतिक और सामाजिक परिवेश का सुंदर चित्रण होता है। एक लोकप्रिय बारहमासा पंक्ति है :

फागण मास सुहावो लागे, पिया न आयो घर
मनवा मोरा रोवे, जैसे चातक निर्झर...

यह शैली आज भी लोकनाट्य, हरियाणवी फिल्मों और तीज-त्योहारों में जीवंत रूप में गाई जाती है।

आल्हा गीत : हरियाणा की धरती केवल भावनाओं की नहीं, वीरता की भी परिचायक है। यहां के लोकगीतों में तलवारें गूंजती हैं और ढालें टकराती हैं। आल्हा गायन उसी वीर परंपरा का हिस्सा है। आल्हा गीत मूलतः बुंदेलखंड की वीरगाथा परंपरा से उत्पन्न हुए। लेकिन समय के साथ ये गीत हरियाणा, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक फैल गए। हरियाणा में गांव के मेलों, अखाड़ों और युद्ध-कला प्रदर्शनों में ये गीत खूब गाए जाते हैं।

वीरता, बलिदान और साहस की कहानियां, विशेष रूप से आल्हा और ऊदल की, आल्हा गायन में सम्मिलित होती हैं। इसकी प्रस्तुति तेज लय और ऊर्जावान होती है। सामूहिक गायन में ढोलक, नगाड़ा और अन्य वाद्ययंत्रों के साथ यह प्रस्तुत किया जाता है। यह युवाओं में साहस और देशभक्ति का संचार करता है। कई आल्हा गायकों ने इसे आधुनिक मंचों तक पहुंचाया, लेकिन यह अब भी ग्रामीण हरियाणा की मूल पहचान बना हुआ है।

रागनी : हरियाणा की गायन परंपरा में अगर किसी शैली को सबसे अधिक जनप्रियता मिली है, तो वह है रागनी। यह केवल गीत नहीं, एक लोकनाट्य शैली है जिसमें प्रश्नोत्तर, तर्क, हास्य, और व्यंग्य शामिल होते हैं। रागनी में संवादात्मक शैली होती है, गायक दो भागों में बंटते हैं। एक सवाल पूछता है, दूसरा जवाब देता है। इसके विषय होते हैं सामाजिक विडंबनाएं, धर्म, नैतिकता, राजनीति, नारी सम्मान, शिक्षा आदि। इसकी प्रस्तुति मेलों, मंचों और प्रतियोगिताओं में होती है। रागनी में ढोलक, सारंगी, बैंजो आदि वाद्ययंत्रों का प्रयोग होता है। कुछ लोकप्रिय रागनियां हैं :

'धरती कहे पुकार के, बेटा मुझे बचा ले' और 'गांव की छोरी दिल्ली चली, शहर की चाल में फंस गई भली'। रागनी प्रतियोगिताएं हरियाणा में आज भी हज़ारों की भीड़ खींचती हैं। यह परंपरा समाज को आईना दिखाने का भी काम करती हैं। इन चारों गायन विधाओं को केवल मनोरंजन समझना भूल होगी। यह हरियाणा की सामूहिक चेतना, मूल्य-व्यवस्था और सामाजिक संवाद का सशक्त रूप हैं। जब एक किसान फसल की बुवाई करते हुए डेरु गाता है, जब एक युवती बारहमासा में पिया को याद करती है, जब अखाड़े में वीर आल्हा गूंजता है, या जब रागनी में व्यवस्था पर व्यंग्य किया जाता है, तब हरियाणा की आत्मा बोलती है। आज जब सोशल मीडिया और फिल्मों के शोर में लोक संस्कृति का स्वर दब रहा है, तब यह ज़रूरी है कि हम इन गायन शैलियों को बचाएं और बढ़ाएं। सरकार और सांस्कृतिक संस्थाओं को चाहिए कि वे ग्राम स्तर पर लोकगायन कार्यशालाएं शुरू करें, रागनी और डेरु प्रतियोगिताओं को राज्यस्तरीय पहचान दें, बारहमासा और आल्हा गायकों को मंच और सम्मान दें, और लोक कलाकारों को आर्थिक सहयोग प्रदान करें।

हरियाणा की गायन परंपराएं केवल बीते समय की गाथाएं नहीं हैं, वे आज भी जीवित हैं, खेतों में, चौपालों में, और हरियाणवी दिलों में। डेरु, बारहमासा, आल्हा और रागनी, ये चार स्तंभ हमारी लोक संस्कृति के प्रहरी हैं। इन्हें संजोकर रखना केवल कलाकारों की नहीं, हर हरियाणवी की जिम्मेदारी है।

कविता | **राजपाल सिंह गुलिया**

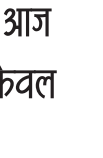

मोल माणसाँ का गिर ग्या

कील्याँ का के रेट बढ़या योह, मोल माणसाँ का गिर ग्या ।
समझणियाँ माणस तै भाई , इब चोगरदे तैं घिर ग्या ॥

भाण बोल्यी भाई तैं याह , आग्गे पार पड़ै कोन्या ।
अपणे हिस्से नै बता कौण सी, लेती भाण कड़ै कोन्या।
मनै लागै सै म्हारी खातिर, दो रोटी ईब हड़ै कोन्या ।
मैं तै नकटी हो आग्यी, दूजी हो त बड़ै कोन्या ।
तनै त्योहार पै आणा छोड़्या, तूँ कती निस्तरग्या ।

सारे भाई कट्ठे होकै, खेवट ने पड़वावैं सै ।
काणी कूट बता कै देखो, फ्रंट रोड का चाहैं सैं ।
रोज दूसरे लोग आण के, इनने न्यूँ बहकावैं सैं ।
एक करोड़ म्हँ दे तै बता, गाहक- भतेरे आवैं सैं ।
घासी का बाबू खेताँ का, कती पाटड़ा फेर कर ग्या ।

पढ़े -लिखे सैं ये छोरे पर, माणस कि पिछाण नहीं सै ।
बापू इसा बावला बण ज्या, जणू कती जाण नहीं सै ।
छोटे बड्डे कट्ठे पीवैं, किसै की किसै क काण नहीं सै ।
मंगलवार की टाल करैं बस, बाकी इनके आण नहीं सै ।
दारू प्या कै लहरी नै , चतरू कती धार पै धर ग्या ।

देख ल्यो थम खेताँ के ये , नित नए इब भा होग्ये ।
सभ अपणै- अपणै राजी सैं , न्यारे सबके राह होग्ये ।
खूड बेच कै आज देख ल्यो, घर गैल्याँ ये शाह होग्ये ।
राजपाल गुलिया कह बेचण, के न्यूँ सोच क चा होग्ये ।
किते डूम नाहीं गाँवेंगे, अक कमा-कमा कै धर ग्या ॥

कविता | **रणबीर सिंह दहिया**

मानस का धर्म

धर्म के सै माणस का मनै कोए बतादयो नै।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै।।

माणस तैं मत प्यार करो कौणसा धर्म सिखावै
सरे आम बलात्कार करो कौणसा धर्म सिखावै
रोजाना नर संहार करो कौणसा धर्म सिखावै
तम दारू का व्यापार करो कौणसा धर्म सिखावै
धर्म क्यों खून के प्यासे मनै कोए समझादयो नै।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै।।

ईसा राम और अलाह जिब एक बताये सारे रै
इनके चाह्वण आले बन्दे क्यूँ खार कसूती खारे रै
क्यों एक दूजे नै मारण नै एकजी हाथां ठारे रै
अमीर देश हथियार बेच कै खूबै मौज उड़ारे रै
बैर करो मारो काटो लिखै वो ग्रन्थ भुलादयो नै।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै।।

मानवता का तत कहैं सब धर्मां की जड़ में सै
कुदरत का प्रेम सारा सब धर्मां की लड़ मैं सै
कदे कदीमी प्रेम का रिश्ता माणस की धड़ मैं सै
कट्टरवाद नै घेर लिए यो हर धरम जकड़ मैं सै
लोगां तैं अरदास मेरी क्युकरै इनै छटवादयो नै।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै ।।

यो जहर तत्ववाद का सब धर्मों मैं फैला दिया
कट्टरवाद घोल प्याली मैं सब ताहिं पिला दिया
स्कीम बणा दंगे करे इंसान मासूम जला दिया
बड़ मानवता का आज सब धर्मों नै हिला दिया
रणबीर सिंह रोवै खड़्या इनै चुप करवादयो नै ।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए समझादयो नै ।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

तंत्र-मंत्र | **अब अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे लोग ही तांत्रिकों के चंगुल में फंसते हैं, वैज्ञानिक शिक्षा का अधिक प्रचार-प्रसार जरूरी**

बदल रहा लोगों का दृष्टिकोण, अपना रहे वैज्ञानिक नजरिया

अंधविश्वास | **राज कुमार नरवाल**

जैसे-जैसे प्रदेश में शिक्षा का प्रचार-प्रसार बढ़ा है और लोग शिक्षित हुए हैं, तब से हरियाणा के लोगों का दृष्टिकोण बदला है। वे वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने लगे हैं। बहुत से अंधविश्वास, जादू-टोने और तंत्र-मंत्र से वे बाहर निकल आए हैं। गांव-देहात में लोगों को तंत्र मंत्र, जादू टोने और अन्य कई तरह के अंधविश्वास का डर दिखाकर ठगा जाता था।

पढ़े-लिखे लोग अब जादू टोना और तंत्र मंत्र में विश्वास नहीं करते। लोग तार्किक हो गए हैं और चीजों का विश्लेषण करने लगे हैं। वे जल्द बहकावे में नहीं आते। एक जमाना ऐसा था जब लोगों को भूत-प्रेत का भय दिखाया जाता था। रात के समय श्मशान घाट के पास से गुजरते समय लोग डरते थे। हवेलियों और खंडहर मकानों में भूत प्रेत का वास होने की कहानियां सुनने को मिलती थी। यदि किसी व्यक्ति को मानसिक रोग हो जाता था तो उसको कहा जाता था कि इसमें भूत प्रवेश कर गया है। महिलाओं में भूत-प्रेत का साया होने के ज्यादा मामले सुनने को मिलते थे। किसी के घर में और किसी के खेत में भूत-प्रेत होने का डर दिखाकर तांत्रिकों द्वारा लोगों को लूटा जाता था। विभिन्न प्रकार के रोगों का इलाज दवाइयों की बजाए गंडा, ताबीज और भभूत (राख) से किया जाता था। अंधविश्वास के चलते लोगों का समय पर इलाज न होने की वजह से वे दम तोड़ देते थे। लोग अपनी बहू-बेटियों को लेकर कई कई दिन तक झाड़ फूंक के पास बैठे रहते थे। भूत प्रेत निकालने के लिए झाड़-फूंक, झाड़ा लगाने का काम करते थे। बुखार व दूसरी बीमारियां ठीक करवाने के लिए लोग झाड़ा लगवाते थे और मानते थे कि झाड़ा लगाने से रोक ठीक हो जाते थे।

डायन, डाकन, भूत, भूतनी, जिंद, जिंदणी, धौलकपड़िया, शाभा और न जाने कितने नामों का प्रयोग कर लोगों को डराया जाता था। कहीं पर पत्थर बरसाकर लोगों को डराया जाता था और कहा जाता था कि यह प्रेत आत्मा ऐसा कर रही है। किसी के घर में अचानक से आग लग जाती थी और उसके पीछे भी तंत्र मंत्र वाले लोग ही काम करते थे। लेकिन अब पहले जैसा हरियाणा नहीं रहा। लोगों की सोच अब बदल गई है। अब यह डरने डराने का दौर खत्म हो गया है। अब यहां के लोग पिछले कुछ दशकों में इन चीजों से बाहर निकले हैं। हालांकि इक्का-दुक्का जगहों से आज भी ऐसे मामले सामने आ जाते हैं। लेकिन जादू टोना और तंत्र-मंत्र से लोगों का विश्वास उठ गया है। अब अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे लोग ही तांत्रिकों के चंगुल में फंसते हैं।

पूरी तरह से वैज्ञानिक नहीं हुए प्रदेश के लोग बाबाओं के चक्र में फंसे हैं : डॉ. सुशीला धनखड़

डॉ.सुशीला धनखड़, पूर्व प्रोफेसर, समाज शास्त्र

अब भी हरियाणा के लोग पूरी तरह से वैज्ञानिक नहीं हुए हैं। यह बात सच है कि वे जादू टोना और तंत्र मंत्र से बाहर निकल आए हैं। लेकिन वे एक अंधविश्वास से निकलकर दूसरे अंधविश्वास में जाकर फंस गए हैं। मंदिरों में और बाबाओं के सत्संगों में पहले से ज्यादा भीड़ जुटने लगी है। शिक्षा के प्रचार प्रसार के बाद भी पूजा पाठ में कमी नहीं आई है, पूजा पाठ ज्यादा बढ़ा है। अब पहले से ज्यादा सत्संग होने लगे हैं। प्रवचन देने वाले बाबाओं की संख्या में इजाफा हुआ है। लोग अंधभक्त होकर सत्संग में जा रहे हैं। बाबाओं को भगवान मान रहे हैं। पढ़े लिखे लोग सत्संगी बाबाओं के पैर पूज रहे हैं। आज सभी गांवों में रोजाना जगह-जगह सत्संग हो रहे हैं। पहले गांवों में इतने सत्संग नहीं होते थे। यदि कोई बाबा जेल से पेशी पर आता है तो वहां पर अंधभक्तों का तांता लग जाता है। सत्संग में बाबा लोगों को मोह माया से दूर रहने का संदेश देते हैं और खुद लाखों रुपये लेकर सत्संग करने आते हैं। लोगों में वैज्ञानिक चेतना तो आई है, लेकिन लोग सत्संग से जुड़ रहे हैं, तो इसका मतलब हम पूरी तरह से अंधविश्वास से नहीं निकले हैं। धर्म का प्रचार प्रसार हो रहा है। पूजा पाठ बढ़ रहा है। मंदिरों में भीड़ बढ़ रही है। लेकिन सोचने वाली बात यह है कि इतने धार्मिक होने के बाद भी हमारे अंदर नैतिक मूल्य कम क्यों हो रहे हैं। वैल्यू घटना चिंता का विषय है। फिर धार्मिक होने का क्या फायदा हुआ। समाज में आपसी सहयोग की भावना कम हो रही है और भाईचारे की भावना में कमी आई है। समाज में गुटबाजी बढ़ रही है। लोग कन्यफ्यूज हो गए हैं। अब न तो वे पूरी तरह शहरी बन पा रहे हैं और न ही पूरी तरह ग्रामीण। असल में लोग अवसरवादी हो गए हैं। जिसका जिस तरह काम निकलता है, उसी तरह अपना काम निकाल लेते हैं।

अंधविश्वास के पीछे निजी स्वार्थ छिपा : वेद प्रिय

वेद प्रिय, उपप्रधान हरियाणा ज्ञान विज्ञान मंच

भिवानी के शिक्षाविद् वेद प्रिय ने बताया कि लोगों को अंधविश्वास से बाहर निकालने के लिए प्रदेश में कई संस्थाएं काम कर रही हैं। वे खुद हरियाणा विज्ञान मंच के उपप्रधान हैं और हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति के कार्यकारी सदस्य हैं। इसी तरह देश में तर्कशील आंदोलन चल रहा है। प्रतिशील संस्थाएं भी काम कर रही हैं। अंधविश्वास की घटना के बाद ये संगठन तुरंत संज्ञान लेते हैं। मौके पर जाकर अंधविश्वास की घटना की सच्चाई लोगों के सामने लाते हैं। वेद प्रिय का मानना है कि अंधविश्वास को पूरी तरह से खत्म नहीं किया जा सकता। क्योंकि कुछ लोगों के दिमाग की सोचने की प्रक्रिया धीमी होती है। उनका दिमाग पूरी तरह से चीजों का उस तरह से विश्लेषण नहीं कर पाता, जितना दूसरे लोगों का करता है। वह व्यक्ति ढंग से सोच नहीं पाता। हालांकि प्रदेश में अंधविश्वास के मामलों में कमी आई है। धीरे-धीरे लोग अंधविश्वास से बाहर निकल रहे हैं। प्रदेश सरकार और प्रशासनिक ढांचे ने अंधविश्वास फैलाने वालों पर शिकंजा कसा है। अब अंधविश्वास फैलाने से लोग डरते हैं, कहीं कानूनी कार्रवाई न हो जाए। यही वजह है कि अब उतनी घटनाएं नहीं होती, जितनी पहले होती थी। अंधविश्वास के पीछे व्यापार अथवा निजी स्वार्थ छिपा होता है। ऐसे लोग अनपढ़ अथवा कम पढ़े लिखे लोगों को अपना निशाना बनाते हैं। यदि अंधविश्वास से नई पीढ़ी को बचाना है तो उनको अच्छी शिक्षा देनी होगी। सही मायने में उनको वैज्ञानिक पढ़ाई-लिखाई सिखाने की जरूरत है।

विश्व पटल पर भारतीय रंगमंच को स्थापित कर गये रतन

श्रद्धांजलि | **ओंकारेश्वर पांडेय**

रतन थियम चले गए। दादा 23 जुलाई, 2025 को गए। मणिपुर रो रहा है। शांति की बात उन्होंने की। उनका रंगमंच चमका। वे कहते थे - "रंगमंच हमारी आत्मा है।" रचनात्मकता के हथियारों से युद्ध के खिलाफ युद्ध लड़ने वाला योद्धा नहीं रहा। अशांत मणिपुर को शांति का संदेश देते देते खामोश हो गये रतन थियम। वे भारतीय रंगमंच के एक विशाल पर्वत थे। उन्होंने मणिपुरी परंपराओं को विश्व के साथ जोड़ा। उनकी रचनाएं—महाभारत त्रयी (उरुभंगम, चक्रव्यूह, कर्णभरम) और लैरेंबीगी ईशेई—युद्ध, पहचान और शांति पर गहरी सोच रखती थीं। मणिपुर के मैतेई-कुकी झगड़े से वे दुखी थे और शांति की आवाज़ बने। रतन एक रंगकर्मी या निर्देशक भर नहीं, वह रंग वैज्ञानिक थे, जिसने मणिपुर की आत्मा को वैश्विक कैनवास पर उकेरा। उनकी कला आज भी एकता की मिसाल है। उनका जाना भारत और दुनिया को झकझोर रहा है। रतन थियाम, वह दूरदर्शी नाटककार, निर्देशक और सांस्कृतिक दीपक, जिन्होंने 77 वर्ष की आयु में इम्फाल के रिम्स अस्पताल में अंतिम प्रणाम लिया। उनका निधन केवल भारतीय रंगमंच के लिए ही नहीं, अपितु वैश्विक मंच के लिए भी एक युग का अंत है, जहां उनके कार्य ने सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों को लाँघकर मानव आत्मा की सार्वभौमिक पुकार को स्वर दिया। उन्हें केवल रंग कलाकार या निर्देशक कहना उनके अपार प्रतिभा को कमतर आंकना होगा; मैं कहूंगा कि वे एक रंग वैज्ञानिक थे, एक ऐसे महान रसायनज्ञ, जिन्होंने प्राचीन और समकालीन, स्थानीय और सार्वभौमिक, आध्यात्मिक और राजनैतिक तत्वों को सानंदित कर रंगमंच को एक अनुपम प्रयोगशाला बनाया। उनका मंच वह पवित्र स्थल था, जहाँ मणिपुर की परंपराएं, वैश्विक सौंदर्यबोध और मानवीय अनुभवों का कच्चा स्पंदन एक अनुपम सत्य और सौंदर्य के रूप में सानंदित हुआ।

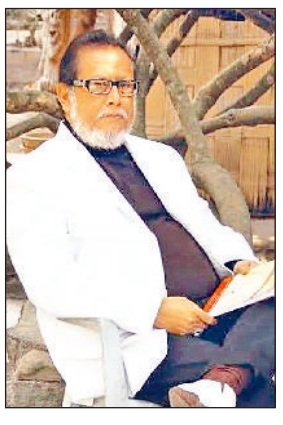

20 जनवरी, 1948 को मणिपुर के इम्फाल में जन्मे रतन थियाम एक बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे, जिनकी रचनात्मक यात्रा चित्रकला और लेखन से प्रारंभ होकर रंगमंच में अपनी पराकाष्ठा तक पहुंची। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) से 1974 में स्नातक होने के पश्चात, उन्होंने 1976 में इम्फाल के निकट कोरस रिपर्टरी थिएटर की स्थापना की, जो मणिपुर की संनादित संस्कृति और विश्व के साथ संवाद का एक पवित्र मंदिर बन गया। उनकी रंगमंचीय प्रस्तुतियां केवल नाटक नहीं थीं, अपितु युद्ध, पहचान और मानवता की अनंत खोज पर गहन चिंतन थीं।

उनके पुरस्कार संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (1987), पद्म श्री (1989), कालिदास सम्मान (1997), संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप (2012), और मणिपुर का लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड (2025), उनकी उस विरासत के केवल मामूली पुष्टिकरण थे, जिसे मापना असंभव है।

रंगमंच वैज्ञानिक की विरासत का संरक्षण

रतन थियम का निधन एक शून्य छोड़ गया है, किंतु उनकी विरासत को मलिन नहीं होने देना चाहिए। इम्फाल में उनका कोरस रिपर्टरी थिएटर, एक सांस्कृतिक दीपस्तंभ, को उनके कार्य का जीवंत संग्रहालय बनाकर समर्थन देना चाहिए, जो भविष्य के कलाकारों को उनके अंतर्विषयी दृष्टिकोण में प्रशिक्षित करे। जैसा कि थियम ने जनवरी 2025 में निंगथम खुमहेई शुमंग लीला उत्सव में वकालत की थी, मणिपुर में एक विश्वस्तरीय सांस्कृतिक परिसर की स्थापना राज्य की कलात्मक विरासत को पोषित करने के लिए आवश्यक है। उनके स्क्रिप्ट्स, रिकॉर्डिंग्स और प्रस्तुति नोट्स को डिजिटाइज कर विश्व भर के विद्वानों और अभ्यासियों के लिए सुलभ करना चाहिए, ताकि चक्रव्यूह और उत्तर प्रियदर्शी जैसे कार्य प्रेरणा देते रहें। शैक्षिक संस्थानों, विशेष रूप से एनएसडी, जहाँ थियम ने निदेशक (1987–88) और अध्यक्ष (2013–17) के रूप में सेवा दी, को उनकी पद्धतियों को पाठ्यक्रम में समाहित करना चाहिए, जो पारंपरिक और समकालीन रूपों के संनादन पर बल देता हो। भारत रंग महोत्सव जैसे उत्सवों, जहाँ थियम के नाटकों को सराहा गया, को उनके कार्यों के लिए रेट्रोस्पेक्टिव समर्पित करने चाहिए, जो स्थानीय और वैश्विक दर्शकों से संवाद करने की उनकी क्षमता को प्रदर्शित करें। इसके अतिरिक्त, उनकी एकता की पुकार "विविध सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों में एकता का सार ही एकता ला सकता है" को मणिपुर के जातीय विभाजनों को कला के माध्यम से जोड़ने के प्रयासों का मार्गदर्शन करना चाहिए।

थियम की स्थानीय और सार्वभौमिक को मिश्रित करने की क्षमता जापान के तदाशी सुजुकी के कार्य के समान थी, जिनके सुजुकी मेथड ने शारीरिकता और सांस्कृतिक स्मृति पर जोर दिया, ठीक वैसे ही जैसे थियाम ने थांग-टा और मैतेई रीति-रिवाजों का उपयोग किया।

खबर संक्षेप

गोहाना। पौधारोपण करते हुए संगठन के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

गोहानाः समाज कल्याण संगठन ने रोपे 63 पौधे

गोहाना। रविवार को साप्ताहिक अभियान के तहत समाज कल्याण संगठन द्वारा शहर में नगर परिषद कार्यालय परिसर और महम रोड के साथ-साथ फुटपाथ की खाली जगह में पौधारोपण किया गया। अभियान के तहत संगठन द्वारा विभिन्न किस्मों के 63 पौधे रोपे गए। संगठन के सदस्यों ने नए पौधे रोपने के साथ पुराने पौधों की निराई-गुड़ाई भी की। समाज कल्याण संगठन द्वारा गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के लिए गोद ले रखा है। सप्ताह के प्रत्येक रविवार को शहर में सार्वजनिक स्थलों पर पौधे रोपे जाते हैं। इस क्रम में रविवार को संगठन द्वारा जामुन, नीम, पापड़ी, गुड़हल और गुलाब के 63 पौधे रोपे। पौधारोपण में संगठन के सदस्य मुकेश कुमार, प्रवीण, राजेश, सुनील, बलराज, अभिमन्यु शर्मा, डॉ. बिजेंद्र, मनोज प्रजापति, बलजीत जांगड़ा और मोहित ने अपना सहयोग दिया।

गोहाना। शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते नागरिक।

शहीद आजाद को उनकी जयंती पर किया याद

गोहाना। गांव ठसका में चंद्रशेखर आजाद की जयंती मनाई गई। समारोह एनिमल क्युर क्लब द्वारा आयोजित किया गया जिसमें ग्रामीणों ने चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। अध्यक्ष उमेश वशिष्ठ ने कहा कि क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद महान देशभक्त थे। उनका जीवन देशवासी के लिए प्रेरणास्रोत है। समारोह में युवाओं को जोडने के लिए एक सेल्फी आजाद के साथ का नारा दिया। क्लब की टीम में सदस्य प्रवीन, विशाल, निशांत, यश, हर्ष, विशेष व नितिश मौजूद रहे।

साइबर ठगों ने ठगे 56 लाख 18 हजार रुपये

सोनीपत। शहर में साइबर ठगी के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। ताजा मामला ओमेक्स हाइट्स निवासी एक व्यक्ति के साथ पेश आया है, जिसे ऑनलाइन ब्लॉक ट्रेडिंग के नाम पर 56 लाख 18 हजार रुपए की ठगी का शिकार बना लिया गया। शिकायतकर्ता गुलशन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 21 मई को उसके पास व्हाट्सएप पर एक ग्रुप से मैसेज आया, जिसमें ऑनलाइन ब्लॉक ट्रेडिंग से संबंधित जानकारी दी गई थी। उसने लगभग 10-12 दिन तक ग्रुप की गतिविधियों पर नजर रखी और फिर 3 जून को ग्रुप को जॉइन कर लिया। उसके द्वारा किए गए निवेश पर मुनाफा दिखाया। धीरे-धीरे वह झांसे में आता गया। ग्रुप में उसे आईपीओ के नाम पर ऑल ओकेशन ओवर सब्सक्राइब का लालच दिया गया और उसे बड़ी रकम निवेश करने के लिए उकसाया गया।

मैक्स हाइट सोसाइटी में आरडब्लूए के पदाधिकारियों में झगड़ा

अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में फिर भिड़े दोनों पक्ष

सेक्टर-27 शहर थाना पुलिस ने संभाली व्यवस्था और कुंडली पुलिस को नहीं दी कोई शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

सोनीपत। अस्पताल में भर्ती घायल व ब अस्पताल के अंदर झगड़ा की फोटो।

कुंडली थाना क्षेत्र में स्थित मैक्स हाइट ड्रीम होम सोसायटी के आरडब्लूए के पदाधिकारियों में बैठक के दौरान झगड़ा गया। आरोप है कि रुपयों के हिसाब किताब को लेकर झगड़ा शुरू हो गया। झगड़े में सुनील व जितेंद्र घायल हो गए। उपचार के लिए उन्हें नागरिक अस्पताल में लाया गया।

जहां दूसरे पक्ष पर आरोप है कि आपातकालीन कक्ष के गेट पर फिर से उनके साथ मारपीट कर दी। एक अन्य झगड़े में अस्पताल में पहुंचे कुंडली थाने में तैनात कर्मचारियों ने बीच-बचाव करके दोनों पक्षों को अलग किया। दोनों पक्षों की तरफ से अब तक पुलिस को लिखित में शिकायत नहीं दी है। मैक्स हाइट ड्रीम होम सोसायटी निवासी अंजू ने बताया कि करीब एक सप्ताह पहले उसके साथ मारपीट की थी। इस संबंध में उसने थाने में शिकायत दी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। उसका पति सुनील हाल में आरडब्लूए का प्रधान है, वहां सोसायटी में दूसरा प्रधान भी है। दोनों चुनाव में समान वोट लेकर आए थे। सोसायटी की तरफ से दोनों को प्रधान माना हुआ है। रविवार को महासचिव की तरफ से बैठक बुलाई गई थी।

बैठक के दौरान उसके पति सुनील ने हिसाब किताब देने के लिए कहा, सोसायटी में 80 हजार रुपये के लेन देन की गड़बड़ी का आरोप लगाया। उसी दौरान उन्होंने कहासुनी करना शुरू कर दी। उसके बाद उसके पति सुनील पर हमला कर मारपीट करना शुरू कर दिया।

बीच-बचाव करने पर हमलावर पीछे हटे। घायल अवस्था में लेकर उन्हें अस्पताल में पहुंचे। जहां आपातकालीन कक्ष के अंदर आरोपितों ने फिर से मारपीट करना शुरू कर दिया। जिसमें जितेंद्र के साथ मारपीट कर घायल कर दिया। कुंडली क्षेत्र से घायल को नागरिक अस्पताल में लेकर पहुंची पुलिस ने बीच-बचाव कर दोनों पक्षों को अलग किया।

कोई शिकायत थाना पुलिस को नहीं दी

दोनों पक्षों की आपस में मारपीट कर घायल करने की सूचना मिली है। इस संबंध में किसी भी पक्ष की तरफ से कोई शिकायत थाना पुलिस को नहीं दी है। शिकायत मिलने के बाद आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।
-मनीष कुमार, कुंडली थाना।

सुरक्षा के लिए बुलाई पुलिस, निगरानी में अस्पताल से निकले

बैठक के दौरान मारपीट के बाद दोनों पक्ष नागरिक अस्पताल में पहुंचे। जहां आपातकालीन कक्ष के अंदर झगड़ा हो गया। डायल-112 टीम मौके पर पहुंची। घायल पक्ष ने अस्पताल से बाहर निकलने में असुरक्षित होने की बात पुलिस के सामने रखी। कुंडली थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पक्ष को बाहर निकाला।

सोशल साइटों पर वायरल हुई वीडियो

सोसायटी में बैठक के बाद दोनों पक्षों में हुए झगड़े में सुनील को पीट-पीटकर घायल कर दिया। सुनील का आरोप है कि कुछ लोगों को बाहर से बुला रखा था। मारपीट का वीडियो सोशल साइटों पर वायरल हो रहा है। बैठक के दौरान एक- दूसरे के साथ मारपीट करते हुए हमला करते हुए दिखाई दे रहे है।

विधायक और मेयर ने किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

सोनीपत। विकास कार्यों का शुभारंभ करते हुए विधायक, मेयर एवं अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

रविवार सुबह विधायक निखिल मदान ने मेयर राजीव जैन के साथ मिलकर लगभग 70 लाख रुपए की लागत से होने वाले विकास कार्यों का नारियल तोड़कर शुभारंभ किया। क्षेत्रवासियों ने विधायक और मेयर का स्वागत किया। विधायक निखिल मदान ने बताया कि 39 लाख रुपये की लागत से न्यू कबीरपुर वसुंधरा गार्डन के साथ वाली मुख्य गली को सीसी से पक्का किया जाएगा। इसके साथ शान्ति विहार की दो गलियों को सीसी से बनाया जाएगा। वहीं 4.5 लाख रुपये की लागत से कैलाश कालोनी में दून स्कूल के पीछे 2 गलियों को सी सी से पक्का किया जाएगा। साथ ही आई टी आई चौक से साईं मंदिर की तरफ़ पेयजल आपूर्ति के लिए 4.5 लाख रुपये की लागत से पाइपलाइन भी बिछाई जाएगी। मेयर राजीव जैन ने बताया कि वार्ड नंबर 4 में दिल्ली रोड पर स्वतंत्र नगर (पूर्व में खान कॉलोनी) में 18 लाख रूपये की लागत से गली और नालियों को बनाने के विकास कार्य का आज शुभारंभ किया है। मेयर राजीव जैन ने कहा कि बरसात के चलते कुछ सड़कों के निर्माण में देरी हो रही है लेकिन अगले माह नगर निगम के अधीन आने वाले सभी सड़कों का नवनिर्माण कर दिया जाएगा। इस मौके पर निगम पार्षद संगीता देवेंद्र सैनी,बबीता त्रिभुवन कौशिक, जगदीश सैनी,विक्की सैनी, पवन तनेजा,महेंद्र मलिक,आनंद सैनी, ईश जौहर,सौरभ चांदना मौजूद रहे। विधायक निखिल मदान ने मोदी के आकाशवाणी कार्यक्रम मन की बात के 124 वें संस्करण को कच्चे क्वार्टर बूथ नंबर 96 पर भाजपा परिवार के सभी कार्यकर्ताओं के साथ सुना।

भाजपा को सत्ता दिलाने में कांग्रेस की संदिग्ध भूमिकाः सुनैना चौटाला

खरखौदा। इनेलो की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सुनैना चौटाला ने रविवार को सिसाना में द्रोणाचार्य अवार्डी एवं रिटायर्ड एसपी अनूप सिंह दहिया के आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी बीजेपी की बी टीम है, जो भाजपा को जीतने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि सोनीपत जिले की विधानसभा सीटों को कांग्रेस ने जानबूझकर भाजपा की झोली में डलवाई है। इस मौके पर द्रोणाचार्य अवॉर्डी रिटायर्ड एसपी अनूप सिंह दहिया, जिला अध्यक्ष कुणाल गहलावत, कृष्ण मलिक, अशोक राणा, बलवान सिंह, नितिन तनेजा आदि उपस्थित रहे।

छोटी खबरें

श्रीजी में अभिभावकों संग मनाई गई हरियाली तीज

सोनीपत। श्रीजी इंटरनेशनल स्कूल में पारंपरिक उत्सव हरियाली तीज का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन न केवल विद्यार्थियों के लिए, बल्कि उनके अभिभावकों, विशेषकर माताओं की भागीदारी के लिए भी स्मरणीय रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसके बाद रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की श्रंखला शुरू हुई। छात्रों द्वारा प्रस्तुत लघु नाटिका व पंजाब के पारंपरिक लोकनृत्य ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया और साथ ही नन्हे-मुन्ने बच्चों ने मधुर गीतों के माध्यम से समां बांध दिया। बच्चों ने सभी को सुंदर मेहंदी लगाई। विद्यालय के चेयरमैन राकेश कुच्छल ने कहा कि बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं।

हरियाणा वैदिक स्कूल में हर्षोल्लास से मनाई तीज

सोनीपत। विकास नगर में स्थित हरियाणा वैदिक स्कूल में हरियाली तीज के त्योहार पर लायंस क्लब सोनीपत के प्रधान राजेन्द्र गोयल व रोजी लूथरा की टीम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। कार्यक्रम के शुभारंभ में अतिथियों को प्राचार्या डा. नीलम सांगवान व अध्यापकों ने पुष्प गुच्छ व बच्चों ने सभी को गुलाब देकर स्वागत व हार्दिक अभिनंदन किया। तत्पश्चात लडकियों ने हरियाणवी संस्कृति का मान रखते हुए दामन, कुरता और चुंदडी में हरियाली तीज का गीत आज मेरा बीरा आवैगा, बम - बम भोले, भोले - पार्वती, हरियाणवी गीतों पर नृत्य किया। स्कूल की प्राचार्या डॉ. नीलम सांगवान ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर सुभाष वशिष्ठ, प्रवीण मलिक, देवेंद्र जैन, सुदेश कुमारी, पूनम, प्रीति, सोनिया, गीतांजलि, अनु, ज्योति मौजूद रहे।

युवा पीढ़ी को संस्कार एवं संस्कृति से जोड़ें : डॉ. रीटा

गोहाना। सहकारिता मंत्री डॉ.अरविंद शर्मा की पत्नी डॉ. रीटा शर्मा ने कहा कि हरियाली तीज पारिवारिक एकता का प्रतीक है। आज मुख्यमंत्री सैनी के नेतृत्व की हरियाणा सरकार त्योहारों व हरियाणवी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए निरन्तर काम कर रही है। रविवार को बरोदा रोड स्थित हरियाणा पब्लिक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय परिसर में संस्कार भारती द्वारा हरियाणा कला परिषद के साथ मिलकर हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। समारोह में डॉ. रीटा शर्मा बतौर मुख्यातिथि पहुंची। उन्होंने दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। ग्राम्य जीवन व संस्कृति पर आधारित प्रस्तुतियों के बीच डॉ. रीटा शर्मा ने अपने विचार रखे। उन्होंने कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा की तरफ से भी हरियाली तीज की शुभकामनाएं दी। समारोह में सुरेन्द्र गर्ग, हरिप्रकाश गौड़, सुदेश उप्पल, परमानंद, अशोक अरोड़ा, विक्रम सैनी, राकेश गंगाना, अजय वर्मा, मनोज जाले, डॉ. प्रिंस जुनेजा, श्वेता जुनेजा, बजरंग गुप्ता, कुलदीप कौशिक, विकास जैन व प्रो. शमशेर भंडेरी मौजूद रहे।

मेयर जैन ने संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक ली

सोनीपत। मेयर राजीव जैन ने कहा कि स्वच्छता रैंकिंग को सर्वश्रेष्ठ बनाए रखना और ऊंचाई पर जाने की जिम्मेदारी अब शहरवासियों के कंधों पर है। इसके लिए सभी सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक एवं रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन को जागरूकता कार्यक्रम चलाने होंगे। साथ ही स्वच्छता में योगदान देने वालों को स्वच्छता प्रहरी का दर्जा दिया जायेगा। मेयर राजीव जैन रविवार को सेक्टर-15 स्थित जागृति धाम में विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में अधिवक्ता रामधन शर्मा, संजय सिंगला, प्रदीप बजाज, रामसिंह त्यागी, अधिवक्ता नकीन मेहरा, पार्षद बबिता कौशिक, मोनिका नागर ने बाजारों में रात को सफाई करने, सार्वजनिक स्थानों पर पोस्टर लगाने वालों के खिलाफ मुकदमे दर्ज करने, गलियों के आवारा कुत्तों की समस्या का समाधान करने, डस्टबिन रखवाने, स्वच्छता के लिए वार्ड वाइज कमेटियां बनाने के सुझाव रखे। बैठक का शुभारंभ राम कामरा ने देश भक्ति के गीत से किया। स्वच्छता के लिए स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति की ओर से सम्मान समारोह

सोनीपत। वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति के तत्वावधान में सेक्टर-15 स्थित कम्युनिटी सेंटर में बुजुर्गों के सम्मान में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता समिति के प्रधान प्रेम रेलन ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी हर्षवन्स लाल अरोड़ा ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। समारोह की शुरुआत गायत्री मंत्र के उच्चारण से की गई। इसके उपरांत जुलाई माह में जन्म लेने वाले आठ वरिष्ठ नागरिकों का सामूहिक जन्मोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम के सांस्कृतिक सत्र में विजय मित्तल, प्रेम रेलन, ओमप्रकाश मुंजाल, हर्षवन्स लाल अरोड़ा और प्रीतपाल बाल्याण सहित कई सदस्यों ने भक्ति भजन, देशभक्ति गीत, कविताएं और शेरो-शायरी प्रस्तुत कर समा बांध दिया। सभा को सीताराम भारद्वाज, रविंद्र कुमार सेठ, टेकचंद त्रिवेदी और रवि कपूर ने संबोधित किया। उन्होंने बुजुर्गों की समाज में भूमिका और उनके अनुभवों की महत्ता पर प्रकाश डाला।

मन की बात कार्यक्रम से बढ़ता है देशवासियों का हौसलाः मंत्री शर्मा

गोहाना। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मन की कार्यक्रम से देशवासियों का हौसला बढ़ता और नई उर्जा मिलती है। प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों के चलते आज भारत को विश्व में नई पहचान मिली है। प्रधानमंत्री द्वारा अंतरिक्ष से शुभांशु शुक्ला की वापसी का जिक्र किया है जो सभी के लिए गर्व का क्षण। इससे देश विज्ञान, अंतरिक्ष को लेकर एक नई जिज्ञासा पैदा हुई है। रविवार को कैबिनेट मंत्री ने अपने कैम्प कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ मन की कार्यक्रम को सुना। उन्होंने इसके बाद चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम के माध्यम से भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा और जैव-विविधता को संरक्षित करने के दो महत्वपूर्ण प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने ज्ञान भारतम् मिशन की घोषणा को ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि यह मिशन आने वाली पीढ़ियों को भारत की आत्मा से जोडने का माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम जन-जन को सकारात्मक तरीके से आगे बढने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

परीक्षार्थियों के लिए बना सहारा, सोनीपत के मार्गदर्शकों ने दिखाया सही रास्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

सीईटी ग्रुप-सी परीक्षा में हिस्सा लेने के लिए सोनीपत पहुंचे हजारों परीक्षार्थियों के लिए शहर ने सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता का नया उदाहरण पेश किया। सोनीपत नगर सुधार मंच के चेयरमैन संजय सिंगला, प्रधान मोहन सिंह मनोचा और महासचिव रविंद्र सरोहा की अपील पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं और स्वयंसेवकों ने परीक्षार्थियों की सहायता के लिए शहर के प्रमुख चौकों और बस स्टैंड पर मोर्चा संभाला। परीक्षार्थियों को उनके परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए मार्गदर्शक स्वयंसेवक ना केवल उन्हें रास्ता बताते दिखे, बल्कि कई समाजसेवियों ने अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाकर परीक्षार्थियों को समय पर उनके परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाया। छात्र-छात्राओं के बैठने, चाय-पानी की व्यवस्था भी की गई। विशेष रूप से महिला परीक्षार्थियों के लिए शौचालय खोलवाने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। इस सेवा अभियान में तेरा दिया तुझको अर्पित संस्था की ममता शर्मा और उनकी टीम रमेश रोहिल्ला, विनोद राठौड़, जिला व्यापार मंडल, नगर सुधार मंच के पहलवान हवा सिंह आंतिल, मास्टर दिलबाग सिंह, संजय वर्मा, शशि कपूर, एडवोकेट महावीर मित्तल, विवेक गर्ग, नरेंद्र भूटानी, दिनेश जिंदल सहित कई समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। संजय सिंगला ने कहा कि यह पहल न केवल सोनीपत की सेवा भावना को दर्शाती है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि परीक्षा जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर समाज एकजुट होकर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन और सहयोग कर सकता है।

हमारी लोकपरंपराओं में आज भी समाज को दिशा देने की ताकत, पीएम ने दिया संदेशः विधायक कृष्णा

■ पीएम के मन की बात कार्यक्रम को विधायक कृष्णा गहलावत ने असदपुर गांव के बूथ 18 पर सैकड़ों ग्रामीणों के साथ सुना

राई। पीएम के मन की बात विधायक कृष्णा गहलावत ग्रामीणों के साथ सुनते हुए।

राई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात के124वें संस्करण मन की बात कार्यक्रम को राई विधायक कृष्णा गहलावत ने रविवार को असदपुर गांव में बूथ नम्बर 18 पर सरपंच मुकेश शर्मा सहित सैकड़ों ग्रामीणों के साथ सुना। विधायक का गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों ने पुष्प गुच्छ व फूलमालाओं से स्वागत किया। विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा की मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने संदेश दिया है कि हमारी लोकपरंपराओं में आज भी समाज को दिशा देने की ताकतहै। पीएम मोदी ने कई ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यावरण के मुद्दों पर अपने विचार साझा किए और शुभांशु शुक्ला के अंतरिक्ष मिशन पर भी बात की और कहा कि इससे देश में विज्ञान को लेकर युवा पीढ़ी में उत्सुकता जगी है। विधायक गहलावत ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने संदेश दिया कि देश में स्पेस स्टार्ट-अप तेजी से बढ़ रहे हैं। पांच साल पहले देश में 50 से भी कम स्टार्टअप थे। आज सिर्फ स्पेस सेक्टर में ही ये 200 से ज्यादा हो गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी में भारत में विज्ञान तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके बाद गहलावत ने गांव में लगे भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। मन की बात कार्यक्रम में सरपंच नान्हा नांदनौर, पूर्व चेयरमैन कुलदीप नांगल, अनिल आंतिल, अमरजीत, शीलू, सूरजभान, जिले सिंह, जयकर्ण, देवेन्द्र, भानेराम आदि गणमान्य लोग मौजूद थे।

बचपन में अखबार बेचते थे डॉ. कलाम : सुरेश

गोहाना। डॉ. कलाम के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि देते नागरिक।

गोहाना। सेक्टर-7 गोहाना स्थित महर्षि दयानंद सरस्वती पार्क में रविवार को भूतपूर्व राष्ट्रपति स्व. डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की 10वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। समारोह में नागरिकों ने पूर्व राष्ट्रपति के चित्र पर पुष्प अर्पित करके नमन किया। समारोह की अध्यक्षता आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह ढांगी ने की। मुख्य वक्ता योगाचार्य डॉ. सुरेश सैनी ने कहा कि डॉ. कलाम प्रेरक व्यक्तित्व थे जिन्होंने गरीबी के कारण बचपन में अखबार बेचने से लेकर राष्ट्रपति बनने तक का सफर तय किया। शुरू से ही उन्होंने अपनी शिक्षा जारी रखी और एक दिन उच्च कोटि के वैज्ञानिक बने। 2002 में वे भारत के 11वें राष्ट्रपति चुने गए। मुख्य संरक्षक आजाद सिंह ढांगी ने कहा कि डॉ. कलाम छात्रों और युवाओं के बीच बहुत लोकप्रिय थे। 27 जुलाई 2015 को उनका निधन हो गया। उनकी जीवनी और प्रेरणादायक बातें लोगों को हमेशा प्रेरित करती रहेंगी। इस मौके पर मोर्चे की शहरी इकाई के अध्यक्ष सुभाष वर्मा, सुरेश पंवार, शेरदीन फौजी, बलराज रोहिल्ला, रणधीर राठी, सुखबीर कौर, वीरमति, संतोष शर्मा, प्राची गोयल, पिंकी व तनीषा उपस्थित रहे।

सोनीपत। नवनियुक्त पदाधिकारियों के साथ एसोसिएशन के सदस्य।

कुलदीप सिंह चुने गए वैलफेयर एसो के प्रधान

सोनीपत। वैलफेयर एसोसिएशन सेक्टर 12 पार्ट-3 सोनीपत का त्रिवर्षीय (2025–2028) कार्यकाल हेतु निर्वाचन मंदिर परिसर, दिल्ली रोड में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया का संचालन निर्वाचन अधिकारी अजय सरोहा के योग्य, पारदर्शी व प्रेरक नेतृत्व में सम्पन्न किया गया। चुनाव में सभी पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित हुए। जिसमें प्रधान कुलदीप सिंह, उप प्रधान अशोक कुमार अरोड़ा, महासचिव संजय पारगल, संयुक्त सचिव अशोक कुमार, कोषाध्यक्ष चरण जीत पुरुथी को चुना गया। इसके अतिरिक्त निर्वाचित प्रतिनिधियों की सहमति से कार्यकारिणी में छह अन्य सदस्यों को मनोनीत किया गया, जिनमें राजेश राठी, विजय कुमार, सुरेश गोयल, जगदीप राठी, बिजेंद्र कुमार और महेंद्र बब्बर शामिल हैं। निर्वाचन अधिकारी ने सभी पदाधिकारियों व सदस्यों को विकास, कर्तव्यनिष्ठा और गोपनीयता की शपथ दिलाई। उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट से सभी निर्वाचित सदस्यों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन हरि चंद स्नेही ने किया। नवनिर्वाचित प्रधान कुलदीप सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में नवगठित कार्यकारिणी द्वारा निवर्तमान प्रधान हंसराज नांदल और निवर्तमान महासचिव जापान सिंह को उनकी सेवाओं के लिए शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

संतानों को संस्कारित करके हो सकेगा अच्छे समाज का निर्माण : प्रदीप

खरखौदा। तीज पर्व के उपलक्ष में गांव सिसाना में गुरुकुल बरोणा द्वारा नशा मुक्त अभियान के तहत कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हवन से की गई । यज्ञ में आहुति डालकर समाज में बढ़ती बुराइयों को समाप्त करने का संकल्प लिया गया। हवन के बाद आचार्य प्रदीप ने बताया कि सबसे पहले बुराई समाप्त करने की शुरुआत स्वयं से की जाती है। हमें स्वयं आकलन करना चाहिए कि हमारे अंदर किसी प्रकार की बुराई तो नहीं है। आज समाज में बढ़ती नशे की बुराई को समाप्त करने की सख्त आवश्यकता है।

नाग देवता की पूजा से मिलेगा विशेष फल

नागपंचमी कल, शिव वास व सिद्धि योग का दुर्लभ संयोग

■ पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 4:32 बजे से दोपहर 1:25 बजे तक रहेगा

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

सावन माह में आने वाली नाग पंचमी इस वर्ष 29 जुलाई को धूमधाम से मनाई जाएगी। यह पर्व नाग देवता को समर्पित होता है और हिंदू धर्म में इसे विशेष आध्यात्मिक और ज्योतिषीय महत्व प्राप्त है।

इस बार नाग पंचमी पर शिव वास, सर्वार्थ सिद्धि योग और सिद्धि योग का शुभ संयोग बन रहा है, जिसे अत्यंत फलदायी माना जा रहा है। ज्योतिषाचार्य आचार्य मनमोहन मिश्रा के अनुसार पंचमी तिथि 28 जुलाई को रात 11:24 बजे प्रारंभ होकर 30 जुलाई को सुबह 12:46 बजे तक रहेगी। इस आधार पर उदया तिथि के अनुसार नाग पंचमी 29 जुलाई को मनाई जाएगी।

पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 4:32 बजे से दोपहर 1:25 बजे तक रहेगा। इस अवधि में नाग देवता की पूजा करने से जीवन में सुख, शांति और बाधाओं से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

भारत में नाग पंचमी के दिन बारह प्रमुख नागों की पूजा का विधान है—अनंत, वासुकी, शेष, पद्म, कंबला, कर्कोटक, अश्वतर, धृतराष्ट्र, शंखपाल, कालिय, तक्षक और पिंगला। मान्यता है कि इन नागों की पूजा करने से जीवन में भय, रोग, शत्रु बाधा और विशेषकर काल सर्प दोष से मुक्ति मिलती है।

ऐसे करते हैं पूजा

आचार्य मनमोहन मिश्रा।

इस दिन श्रद्धालु नाग मंदिरों में जाकर दूध, दही, चावल, पुष्प और फल अर्पित करते हैं। कई स्थानों पर मिट्टी से बने नागों की पूजा भी की जाती है। घरों की दीवारों पर नाग चित्रित कर उन्हें पूजन के योग्य बनाया जाता है। सांपों को दूध पिलाने और रक्षा का संकल्प लेने की परंपरा भी इस दिन निभाई जाती है, जो प्रकृति और जीव-जंतुओं के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

कालसर्प दोष से पीड़ित हैं तो करें पूजा

काल सर्प दोष से पीड़ित व्यक्ति इस दिन विशेष पूजन, मंत्र जाप और दान के माध्यम से ग्रह बाधाओं से छुटकारा पाने का प्रयास करते हैं। नाग पंचमी को किया गया पूजन विशेष फलदायी माना जाता है क्योंकि इस दिन नाग देवता शीघ्र प्रसन्न होते हैं। इस पावन अवसर पर श्रद्धालु व्रत रखते हैं, कथा सुनते हैं और परिवार की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना करते हैं। नाग पंचमी केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि यह प्रकृति संरक्षण, जीवों के सम्मान और आध्यात्मिक साधना का पर्व भी है।

खबर संक्षेप

बेसहारा गोवंश की बढ़ती संख्या से शहर चिंतित

गन्नौर। शहर में बेसहारा गोवंशों की बढ़ती संख्या लोगों के लिए चिंता का विषय बन गई है। शहर के हर चौक-चौराहों, गलियों व सड़कों पर बेसहारा गोवंश घूम रहे हैं जो दुर्घटनाएं का भी कारण बन रहे हैं। इसके बावजूद प्रशासन इस समस्या को लेकर गंभीर नहीं दिखाई दे रहा। गोवंश को रखने के लिए गोशाला भी बनी हुई हैं, लेकिन वहां क्षमता से अधिक गोवंश को रखना संचालकों के लिए मुसीबत बना हुआ है।

रक्तदान शिविर में 55 यूनिट रक्त एकत्रित

खरखौदा। दिल्ली मार्ग पर स्थित प्रीतम एंड संस पेट्रोल पंप पर रीटा खोखर की याद में रक्तदान कैंप लगाया गया। जिसमें 55 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। हिसार की जज नीतू खोखर और इनेलो की महिला अध्यक्ष सुनैना चौटाला रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया। सुनैना चौटाला ने कहा कि रक्तदान एक महादान है और सभी सक्षम लोगों को रक्तदान करना चाहिए।

कामरेड शिवदास घोष की स्मृति सभा 10 को

सोनीपत। क्रांतिकारी पार्टी एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) की नाहरी लोकल कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को कॉमरेड इंदर सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में पार्टी के सचिव मंडल के सदस्य कॉमरेड ईश्वर सिंह राठी ने आगामी 10 अगस्त को छोटू राम धर्मशाला, सोनीपत में आयोजित राज्य स्तरीय स्मृति सभा की रूपरेखा प्रस्तुत की।

हरियाली तीज पर जनता टीवी ने कार्यक्रम का किया आयोजन, लोक संस्कृति व परंपरा का दिखा जीवंत रूप

पारंपरिक संगीत व झूलों ने लोगों को किया आकर्षित

- महिला एंव बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी रही मुख्यातिथि, विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन भी रहे उपस्थित
- वर्मा पैथोलोजी और हरिभूमि रहे सह प्रायोजक, बहालगढ़ स्टील उद्योग ने भी किया सहयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हरियाली तीज के पावन अवसर पर जनता टीवी द्वारा रविवार को पुलिस कैंपस, तिरंगा चौक, सोनीपत में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में हरियाणवी लोक संस्कृति की झलक के साथ-साथ पारंपरिक व्यंजन, संगीत, झूले और रंग-बिरंगे स्टॉलों ने लोगों को आकर्षित किया। हरिभूमि व वर्मा पैथोलोजी के सह प्रायोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में बहालगढ़ स्टील उद्योग ने भी सहयोग किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी थीं, जिन्होंने पारंपरिक झूले का आनंद लेकर तीज पर्व का उत्सव शुरू किया। विशिष्ट अतिथियों में विधायक निखिल मदान, मेयर राजीव जैन, भाजपा गोहाना जिलाध्यक्ष बिजेंद्र मलिक और भाजपा सोनीपत जिला उपाध्यक्ष पुनीत राई मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने पारंपरिक अंदाज में झूला झूलकर संस्कृति से जुड़ाव का संदेश दिया। इस दौरान शहर भर के विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों, प्रतिनिधियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई तथा जनता टीवी और हरिभूमि को सांस्कृतिक विरासत को संभाले रखने के लिए साधुवाद दिया। कार्यक्रम के दौरान वर्मा पैथोलॉजी के संचालक प्रवीण वर्मा, बहालगढ़ स्टील उद्योग के गोयल परिवार से कमला गोयल, अंजू गोयल और निशा गोयल को समाज सेवा व सहभागिता के लिए पूर्व आईपीएस सुमर मंजरी व विधायक निखिल मदान द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन जनता टीवी की एंकर खुशबू पांडेय और टीशा गुप्ता ने किया, जिन्होंने पूरे आयोजन को जीवंत बनाए रखा और दर्शकों को संस्कृति से जोड़े रखा। जनता टीवी के प्रतिनिधि मनोज दहिया और अजय अग्रवाल ने आयोजन की देखरेख की, जबकि संवाददाता विनोद राठी और अनुपम शर्मा ने कार्यक्रम की व्यवस्था को सफलतापूर्वक संभाला।

सोनीपत। जनता टीवी के तीज महोत्सव कार्यक्रम में पहुंचीं मंत्री श्रुति चौधरी के हाथों सम्मानित होते विधायक निखिल मदान साथ में प्रवीण वर्मा, जनता टीवी प्रतिनिधि एवं अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

सोनीपत। जनता टीवी के तीज महोत्सव कार्यक्रम में भाजपा सोनीपत जिला उपाध्यक्ष पुनीत राई को सम्मानित करती मंत्री श्रुति चौधरी साथ में विधायक निखिल मदान एवं अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

जनता टीवी का आयोजन यादगार : मंत्री श्रुति चौधरी

कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि पहुंचीं मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि हरियाली तीज के इस आयोजन ने न केवल सांस्कृतिक मूल्यों को सहेजने का कार्य किया, बल्कि आधुनिकता के बीच लोक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का भी संदेश दिया। आज के समय में हमें अपनी सांस्कृतिक धरोहर को बचाए रखने के लिये इस तरह के कार्यक्रम लगातार आयोजित करने होंगे। जनता टीवी द्वारा किया गया यह आयोजन सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए यादगार बन गया है।

'पहले आली बात ना रही' प्रस्तुति ने जीता दिल

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण हरियाणवी लोकगायक रामकेश जीवनपुर वाला की प्रस्तुति रही, जिन्होंने मंच पर अपने प्रसिद्ध गीत पहले आली बात रही ना, पहले आला पानी, हो गई खत्म कहानी की प्रस्तुति देकर दर्शकों का दिल जीत लिया। इसके अलावा गोहाना से आई डांस टीम, राजकुमार एंड टीम ने रंगारंग प्रस्तुति देकर माहौल में उत्सव का रंग भर दिया।

खास रहीं ये आकर्षणीय झलकियां

- *प्यारे पेड़े वाले ने स्टॉल लगाकर पेड़े और दूध का स्वाद लोगों को चखाया, जो हरियाणवी मिठास का प्रतीक बना रहा।*
- *पूड़े, गुलगुले और सुहाली जैसे पारंपरिक व्यंजन लोगों को खूब भाए।*
- *झूला विशेष रूप से सजाया गया, जिस पर महिलाओं और बच्चों के साथ-साथ अतिथियों ने भी उत्साहपूर्वक झूलने का आनंद लिया।*
- *बच्चों और बड़ों ने ऊंट की सवारी का भी आनंद उठाया, जो कार्यक्रम का एक अनूठा आकर्षण बना।*
- *मेहंदी स्टॉल पर महिलाओं ने सज-धज कर मेहंदी रचाई और सेल्फी लेते हुए त्योहार का उल्लास सांझा किया।*

कला परिषद के कलाकारों ने बांधा समा

गन्नौर। परिषद के पदाधिकारी अतिथियों का सम्मान करते हुए।

गन्नौर। भारत विकास परिषद, वीर सावरकर शाखा व हरियाणा कला परिषद द्वारा हरियाली तीज व परिवार मिलन का आयोजन जैन कालेज में किया गया। परिषद की अध्यक्षा मंजू शर्मा ने सभी अतिथियों व कला परिषद की टीम का स्वागत किया। कला परिषद की टीम ने डा. सुधीर शर्मा व उनकी टीम ने नए व पुराने गीतों के साथ समा बांध दिया। भक्ति गीत, हरियाली तीज के गीतो पर श्रोता झूम उठे। परिषद के पदाधिकारी प्रवीण सिंघल व मोनिका गुजराल ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम के दौरान शहर के चार नए परिवारों को भारत विकास परिषद से जोड़ा गया। शाखा सचिव प्रीतम आहूजा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर परिषद के सभी पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे।

तीज उत्सव पर विधायक ने महिलाओं को झूलाया झूला

राई। अटरेना गांव में विधायक कृष्णा गहलावत महिलाओं के साथ झूला झूलते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

राई। हरियाली तीज के उपलक्ष्य में रविवार को विधायक कृष्णा गहलावत ने हलके कि महिलाओं के साथ अटरेना गांव में कैलाश फार्म हाऊस में तीज मिलन समारोह मनाया। विधायक का आयोजक प्रमोद चौहान, सुमीत, नीरज चौहान व गांव की सैकड़ों महिलाओं ने स्वागत किया। विधायक ने तीज की बधाई देते हुए कहा कि सभी हम शुभ अवसर पर एकत्रित हुए है। तीज भाईचारे व प्रेम का पर्व है। जब प्रकृति अपने पूरे यौवन पर है, चारो और हरियाली छाई हुई है और हमें समृद्ध संस्कृति की याद दिलाती है। तीज पर्व नारी शक्ति व भगनवान शिव पार्वती के अटूट प्रेम और समर्पण का प्रतीक है। यह त्यौहार सदियों से हमारी माता, बहनों के जीवन में खुशिया और उमंग लेकर आया है। विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि आपकी ही बदोलत में विधायक बनी हुं। जब भी आपकों उनके सहयोग की जरूरत हो तो वे तुरन्त आकर उन्हें अवगत करवाए, महिलाओं की समस्या का समाधान उनकी प्राथमिकता रहती है। आपने ही मेरा चुनाव लड़ा और आपने ही विधायक बनाया है। ये मेरी ताक नही बहनों तुम्बाहरी ही ताकत है। इसका प्रयोग तुम खुद करों। इस मौके पर सरपंच रविन्द्र, नन्द किशोर, सोनू मास्टर, प्रमोद, फूलसिंह, राजसिंह, नीरज, ओमबीर, सूरजभान, अशोक, भावना चौहान, साक्षी, रीना चौहान, सीमा देवी, मीनू शर्मा, पूजा चौहान, दीपिका चौहान, शालिनी, मीनाक्षी आदि मौजूद थी।

मेहंदी प्रतियोगिता रही आकर्षण का केंद

गन्नौर। रंगारंग तीज महोत्सव में मेहंदी प्रतियोगिता में मेंहदी दिखाती महिलाएं।

गन्नौर। तीज पर्व पर रेलवे रोड स्थित स्वाति ब्यूटी एवं ट्रैनिंग सैंटर में तीज महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मेहंदी प्रतियोगिता रही, जिसमें प्रतिभागी महिलाओं और युवतियों ने अपनी रचनात्मकता और पारंपरिक कलात्मकता का सुंदर प्रदर्शन किया। महिलाएं पारंपरिक हरियाली तीज की वेशभूषा में सज-धजकर पहुंचीं और लोकगीतों की धुन पर झूमती नजर आईं। मेहंदी प्रतियोगिता ने वाहवाही बटोरी। प्रतिभागियों ने अपनी हथेलियों पर पारंपरिक और आधुनिक डिजाइनों की खूबसूरत मेहंदी रचाई। साथ ही, झूले झूलने की पारंपरिक रस्म को भी निभाया गया। संचालक स्वाति चौहान ने कहा कि तीज पर्व महिलाओं का पर्व है, जो प्रकृति, प्रेम, सौंदर्य और पारंपरिकता का प्रतीक है। हमारा उद्देश्य है कि आधुनिक दौर में भी महिलाएं अपनी संस्कृति से जुड़ी रहें और इस तरह के आयोजनों के माध्यम से उन्हें एक साथ आने, खुशी बांटने और अपनी कला को प्रदर्शित करने का मंच मिले।

पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

- रियाणा पंजाबी संघ ने गन्नौर गांव के पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

हरियाणा पंजाबी संघ द्वारा गन्नौर गांव के पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन पर्यावरण संरक्षण, हरियाली बढ़ाने और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के प्रधान दीपक बजाज ने की। बजाज ने पौधारोपण कर संदेश में कहा कि पर्यावरण संकट आज एक वैश्विक समस्या बन चुका है, जिससे केवल चर्चा से नहीं, बल्कि ठोस कार्यों से निपटा जा सकता है। पेड़ लगाना न केवल प्रकृति को संवारने का माध्यम है, बल्कि यह हमारी आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित भविष्य देने की दिशा में पहला कदम है। डॉ. भूपेंद्र कुकरेजा अध्यक्ष, रमेश कुमार और संजीव डावड़ा उपप्रधान,प्रीतम आहूजा सचिव, धर्म चंद खन्ना और हर्ष अदलखा सह सचिव, नारायण दास खन्ना कोषाध्यक्ष ने पौधारोपण कर संरक्षण की जिम्मेदारी ली और सभी ने संकल्प लिया कि वे न केवल पेड़ लगाएंगे, बल्कि उनकी नियमित देखरेख भी करेंगे ताकि वे पूर्ण रूप से विकसित हो सकें और पर्यावरण के लिए लाभकारी सिद्ध हों। इस मौके पर डॉ.रमेश लंझारा, संजीव डावड़ा, रिंकू राय, सोहन लाल हसीजा, रामलाल मनचंदा, तरुण गांधी, प्रवेश मदान, सतीश हसीजा, अशोक वधवा एवं गुलशन गुजराल आदि मौजूद थे।

गन्नौर। प्रधान दीपक बजाज के साथ संघ के पदाधिकारी पौधरोपण करते हुए।

हमें भावनात्मक व सामाजिक रूप से जोड़े रखते हैं त्योहार

- युवा पीढ़ी को सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़कर रखना हमारी जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

हमारे पर्व हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। युवाओं को अपने सांस्कृतिक मूल्यों के साथ जोडक़र अपनी इस धरोहर को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की जिम्मेवारी हम सब की है। यह बात कटवाल गांव स्थित सरस्वती विद्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य उधम सिंह ने कही। वे तीज उत्सव को लेकर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। प्राचार्य उधम सिंह ने कहा कि समकालीन समाज के संदर्भ में आज पारिवारिक बंधन और रिश्ते लगातार कमजोर और तनावपूर्ण होते जा रहे हैं। हमारे त्योहार महत्वपूर्ण सांस्कृतिक आधार के रूप में कार्य करते हैं जो हमें भावनात्मक और सामाजिक रूप से जोड़े रखते हैं। इसी संदर्भ में तीज का त्योहार पारिवारिक जीवन में प्रतिबद्धता और एकजुटता के गहरे महत्व पर बल देता है। उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति पूरे विश्व में महान है। हम अपने सांस्कृतिक मूल्यों के दम पर भारत को एक बार फिर से विश्व गुरु का दर्जा दिलाने में अपनी अहम भूमिका निभा सकते हैं।

प्राचार्य उधम सिंह।

बच्चों को शिक्षा के प्रति करें प्रेरित : कादियान

- डोम समाज ने विधायक से धर्मशाला बनवाने की रखी मांग, मिला आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गुमड़ रोड पर स्थित ब्राह्मण धर्मशाला में रविवार को डोम (डूम) समाज की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें आसपास व दूर-दराज से समाज के लोग काफी संख्या में पहुंचे। बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर हलका विधायक देवेंद्र कादियान ने शिरकत की। समाज के लोगों ने विधायक का फूलमाला व पगड़ी पहना कर स्वागत किया। गन्नौर हलका के डोम समाज के प्रधान पप्पू खुबड़ू ने कहा कि पहले समाज की चौधर लाखू बुवाना के पास थी, लेकिन अब चौधर खुबड़ू गांव को मिली है। उन्होंने बताया कि समाज की कोई भी धर्मशाला क्षेत्र में नहीं है, जिस कारण सामाजिक कार्यक्रमों में असुविधा होती है। इस दौरान समाज की ओर से खुबड़ू गांव में धर्मशाला बनवाने की मांग रखी गई। विधायक देवेंद्र कादियान ने समाज की मांग को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि वे इस मुद्दे को संबंधित विभाग और प्रशासन के समक्ष रखकर समाधान की दिशा में कार्य करेंगे। साथ ही उन्होंने कहा, समाज को आगे बढ़ाने के लिए सबसे जरूरी है शिक्षा। आप अपने बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रेरित करें, तभी समाज मजबूत होगा। बैठक में समाज के लोगों ने एकजुट होकर समाज हित के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर महाबीर सिंह, वजीर सिवाह, गुल्लू, सलीम गगसीना, सुखबीर, सतबीर, बालकिशन, नसीब सिंह आदि मौजूद रहे।

गन्नौर। विधायक देवेन्द्र कादियान का डोम समाज के महाबीर सिंह पगड़ी पहनाकर सम्मान करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

शिवा शिक्षा सदन ने दो प्रतियोगिताओं में जीती ट्राफी

सोनीपत। शिवा शिक्षा सदन के विद्यार्थियों ने दो प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। प्रथम प्रतियोगिता एक निजी स्कूल में आयोजित इंटर-स्कूल डिक्लेमेशन कॉन्टेस्ट रही, जिसमें शिवा शिक्षा सदन को सर्वश्रेष्ठ विद्यालय की ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। वरिष्ठ वर्ग में वैष्णवी वर्मा ने अपनी गूढ़ विचारशैली, स्पष्ट दृष्टिकोण और प्रभावी वक्तृत्व से सर्वश्रेष्ठ वक्ता का खिताब प्राप्त किया। कनिष्ठ वर्ग में आदिति ने बेहतरीन प्रस्तुति से सर्वश्रेष्ठ वक्ता का पुरस्कार हासिल किया, वहीं वीर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के निदेशक अरुण बंसल ने टीम के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों वैष्णवी वर्मा, मेहल सिंगला, आदिति और वीर को शुभकामनाएं दी। वहीं भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता में शिवा की प्रस्तुतियां दर्शनीय ही नहीं, प्रेरणादायक भी थीं। कनिष्ठ वर्ग में सोफिया ने प्रथम स्थान, और वरिष्ठ वर्ग में हंसिका ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इन उपलब्धियों पर बोलते हुए बंसल ने कहा कि हमारा उद्देश्य परीक्षा की सफलता तक सीमित नहीं है, हम छात्रों को जिंदगी के हर मंच पर सक्षम बनाना चाहते हैं। वह चाहे वाणी का हो, कला का हो या विचारधारा का।

सोनीपत। शिवा शिक्षा सदन के विद्यार्थी ट्राफी के साथ।

कार्यक्रम गन्नौर स्थित वाटिका में प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन

भाजपा सरकार ने घुमंतू जातियों को वह सम्मान दिया, जो वर्षों तक नहीं मिला : किशोरीलाल

समाज के उत्थान के लिए जो भी आवश्यक होगा, वह सरकार तक पहुंचाया जाएगा: विधायक कादियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

रविवार को गन्नौर स्थित एक वाटिका में लक्खी शाह बंजारा वेलफेयर सोसायटी की ओर से प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष किशोरीलाल ने की। बतौर मुख्यातिथि के रूप में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली और क्षेत्रीय विधायक देवेंद्र कादियान ने शिरकत की। बंजारा समाज के लोगों ने नेताओं का फूलमाला से स्वागत किया। किशोरीलाल ने कहा कि भाजपा सरकार ने घुमंतू जातियों को वह सम्मान दिया, जो वर्षों तक नहीं मिला। बाबा लक्खी शाह का इतिहास छिपाया गया, अब उन्हें पहचान मिल रही है। उन्होंने बंजारा समाज को एससी-एसटी में शामिल करने की मांग दोहराई।

गन्नौर। प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली व विधायक देवेन्द्र कादियान का स्वागत करते हुए।

2027 तक पक्की छत देने का लक्ष्य किया तय

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सोच है कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। भाजपा गरीबों की सरकार है, पीले कार्ड खत्म नहीं, बल्कि गरीबी खत्म करने की दिशा में काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने 2027 तक पक्की छत देने का लक्ष्य तय किया है। विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि समाज के उत्थान के लिए जो भी आवश्यक होगा, वह सरकार तक पहुंचाया जाएगा। सरकार हर वर्ग के साथ है। बंजारा समाज मेहनती, संस्कारी और स्वाभिमानी समाज है, जिसने हर दौर में देश और समाज के लिए योगदान दिया है। ऐसे समाज को उसका हक और सम्मान मिलना चाहिए। सरकार सबका साथ-सबका विकास के सिद्धांत पर काम कर रही है। कार्यक्रम समापन पर अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष संजय बंजारा, जिलाध्यक्ष देवेंद्र दतौली, सुभाष बंजारा, विकास बंजारा, महेंद्र बंजारा, सुरजीत, जगदीश, पवन, जयप्रकाश, मोहित, प्रवीन, तीर्थ समेत समाज के लोग मौजूद रहे।